Oxford Policy Management

साथी

सहायक पर्वेक्षण के लिए पॉकेट गाइड

फ़रवरी 2022

क जब आशा फैसिलिटेटर गृह भ्रमण पर आशा के साथ जाती हैं

गृह भ्रमण से पहले – प्राथमिकता तय करना कि कहां और किसके पास जाना है

किन आशाओं को प्राथमिकता दें ?

- उन आशाओं के गृह भ्रमण करने को प्राथमिकता देने का प्रयास करें जो: नई चयनित हैं – प्रशिक्षण नहीं लिया हो – जिन्हें स्वास्थ्य जानकारी एवं कौशल में सहयोग की जरुरत है।

किन लाभार्थियों को प्राथमिकता दें ?

- सर्वे रजिस्टर की मद्द से अधिक खतरे वाले लाभार्थियों की पहचान कर सकते हैं: जैसे – कम वजन वाले शिशु, गंभीर रूप से एनीमिया वाली महिलाऐं आदि।
- आशा के साथ उन घरों/लाभार्थियों के पास जाए जहाँ आशा को 'मुश्किलों' का सामना करना पड़ता हैं। जैसे – ऐसे परिवारों जो टीकाकरण या प्रसव पूर्व जाँच के लिए नहीं आते हैं।

गृह भ्रमण करते समय

- अभिवादन करे एवं एक ऐसी जगह पर बैठे जहाँ आप, आशा एवं लाभार्थी आराम से बैठकर बात कर सकें।
- गृह भ्रमण के दौरान आशा द्वारा की जाने वाली गतिविधियों का पर्यवेक्षण करें।

❖ यदि लाभार्थी गर्भवती महिला है क्या आशा ने

- प्रसव पूर्व जांच और पंजीकरण के बारें में जानकारी दी ?
- प्रसव पूर्व स्वास्थ्य से सम्बंधित बातें विस्तार से पूछी गयी – जैसे क्या वज़न बढ़ रहा है, यदि लाभार्थी एनेमिक है तो क्या आयरन की गोली खा रही है, कितने दिनों से खा रही है आदि।
- दिन रात में कितनी बार खाती है, क्या क्या खाती है आदि।
- यदि लाभार्थी का अंतिम तिमाही हो तो प्रसव की तैयारी के बारें में जानकारी दी – जैसे साफ़ कपडा, धागा आदि।
- सभी खतरे के संकेत या लक्षण के बारे मे पूछताछ – पूछने के लिए एम. सी. पी कार्ड का उपयोग किया गया।

❖ यदि लाभार्थी प्रसव पश्चात् महिलाएं/धात्री (स्तनपान कराने वाली)माता है

- सभी खतरे के संकेत या लक्षण के बारे मे पूछताछ – पूछने के लिए एम. सी. पी कार्ड का उपयोग किया गया।
- क्या आशा ने रक्तस्राव से सम्बंधित बातचीत की जैसे लाभार्थी कितनी बार पैड बदलती है, पैड कितने समय में गीला हो जाता है आदि।
- स्तनपान करने वाली माँ को आशा ने अपने सामने स्तनपान करवा कर शिशु को स्तनपान करवाने से सम्बंधित जानकारी दी।
- स्तनपान से सम्बंधित विस्तार से बातचीत की गयी – जैसे कितनी बार और कितने अंतराल पर माँ स्तनपान करवाती है, दूध कैसे पिलाती है, आदि।
- तापमान के लिए महिला को स्पर्श किया गई।
- जननांग की स्वछता से सम्बंधित बातें की गई।
- खानपान की आदत से सम्बंधित बातें की गयी।
- परिवार नियोजन विधियों से सम्बंधित परामर्श दिये गये।

❖ यदि लाभार्थी नवजात शिशु है

- क्या आशा द्वारा सभी खतरे के लक्षण और संकेत विस्तार से पूछे गए – सहायता के रूप में एम. सी. पी कार्ड का उपयोग किया गया।
- क्या आशा ने नवजात शिशु की शारीरिक जांच की – जैसे नाल देखी, आँख देखी, त्वचा देखी आदि।
- नवजात को गर्म रखने हेतु लपेटना – आशा द्वारा करके दिखाया गया।
- शिशु स्तनपान कर पा रहा है/दूध पी पा रहा है – आशा द्वारा पूछा गया।

- **यदि आशा से कोई ज़रूरी जानकारी छूट जाये या ठीक से कोई बात नहीं बता पा रही हो तो आशा की मद्द करें।**
- **यदि कोई असामान्यताएं, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं, खतरे के लक्षणों की पहचान की जाती है तो समस्या के समाधान के लिए आशा द्वारा सलाह ज़रूर दिलवाएँ।**
- **आशा को एम.सी.पी कार्ड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें – एम.सी.पी कार्ड पूरी तरह ठीक से भरा है इसकी जांच करें और इसे जानकारी देने में सहायता के रूप में उपयोग करें। लाभार्थी से सम्बंधित अनुभाग ही देखें।**
- **आशा को लाभार्थी के अनुकूल एवं जरुरत के अनुसार ही सलाह दें। बहुत अधिक जानकारी एक समय में न दें।**

गृह भ्रमण के अंत में

- सुनिश्चित करें कि आशा ने गृह भ्रमण में की गयी मुख्य बातों को लाभार्थी से दुहराने को कहा, और आगे की कार्यवाई के लिए लाभार्थी को उत्साहित भी किया। अन्ततः आशा ने लाभार्थी को यह भी बताया कि उन्हें कोई भी परेशानी होने पर वे आशा को संपर्क कर सकते है।

गृह भ्रमण या वी.एच.एस.एन.डी. के बाद आशा के साथ आशा फैसिलिटेटर द्वारा फीडबैक

- लाभार्थी के घर या वी.एच.एस.एन.डी. जगह से थोड़ी दूर शांत जगह पर आशा के साथ बैठें।
- फीडबैक के दौरान गृह भ्रमण या वी.एच.एस.एन.डी. में उस दिन किये गए कार्य के बारे में ही बात करें।
- गृह भ्रमण या वी.एच.एस.एन.डी. के बारे में आशा की राय लें।
- आशा ने जो अच्छा किया है शुरुआत में उसे बताए ताकि आशा को अपने गुणों की पहचान करने में मद्द मिले।
- आशा के साथ उस जानकारी के बारे में चर्चा करें जो आशा लाभार्थी को नहीं दे पाई।
- किसी भी स्वास्थ्य संबंधी खतरे के संकेत या लक्षण पर विचार-विमर्श करना और सम्बंधित समस्याओं के लिए आगे की कार्यवाई में आशा का सहयोग करें।
- आशा से पूछें कि फीडबैक के दौरान चर्चा से वो क्या समझी हैं और उसे फीडबैक के दौरान किए गए मुख्य कार्य बिंदुओं को दोहराने का अनुरोध करें।
- वी.एच.एस.एन.डी के बाद फीडबैक के समय ड्यू लिस्ट बनाने की प्रक्रिया और टीकाकरण में छूटे हुए लाभार्थी का कारण एवं उन्हें एकत्रित करने की योजना पर बात अवश्य करें।
- आशा को अच्छा काम करने के लिए प्रोत्साहित करके बातचीत समाप्त करें।

ख आशा फैसिलिटेटर द्वारा की जाने वाली मासिक क्लस्टर बैठक

बैठक से पहले की तैयारी

- एजेंडा बना लें – चर्चा के बिंदुओं को लिख कर तैयारी करें।
- चर्चा के लिए विषय का चुनाव आप अपने जरुरत के अनुसार करें – जो गृह भ्रमण या पिछली मीटिंग से सम्बंधित या जिला/ब्लॉक द्वारा दिया गया विषय हो सकता है।
- आशा को बैठक के स्थान, समय और एजेंडा के बारे में सूचित करें।

बैठक के दौरान ध्यान रखें

- आशा एवं आप एक ही स्तर पर बैठें जहां हर कोई एक दूसरे को देख और सुन सके।
- बैठक की शुरुआत सभी के स्वागत के साथ करें और बैठक का एजेंडा संक्षेप में बताएं।
- कुछ बुनियादी नियम निर्धारित करें जैसे: प्रत्येक प्रतिभागी को एक-एक करके बोलना है, सभी को बोलने का मौका दें, धैर्य से सुनें आदि।
- रोल प्ले के माध्यम से तकनीकी जानकारी पर चर्चा की जा सकती है। जैसे स्तनपान, परिवार नियोजन परामर्श आदि।
- अगर कोई आशा चर्चा के विषय से सम्बन्धित अपना अनुभव बांटती है, तो उसे चर्चा में ज़रूर लायें।

क्लस्टर मीटिंग के दौरान आशा के अनुभव से सीखना (सहकर्मी द्वारा सीखना): चर्चा के क्रम

- सहकर्मियों से सीखने की गतिविधि को शुरुआत करने से पहले सभी आशाओ को उदेश्य समझायें।
- इस कार्य को व्यक्तिगत रूप से या छोटे समूहों में किया जा सकता है।
- आशा (एक बैठक में २-३ आशा) को ऐसे किसी अनुभव को बताने के लिए कहें जिसमें उसे कठिनाई आई लेकिन वह अपनी सुझ बूझ से कठिनाईयो को दूर करने और कार्य/गतिविधि को पूरा करने में सफल हुई।
- चर्चा को आसान बनाने के लिए आशा को उस कार्य को करने में आने वाली कठिनाई की पहचान करने में मद्द करें।
- इस बात पर जोर दें और चर्चा करें कि आशा ने कैसे समाधान किया और उस कठिनाई पर सफलता पाई।
- अन्य आशाओं से पूछें – उन्होंने इस अनुभव से क्या सीखा, ऐसी कठिनाई आने पर क्या कोई और उपाय हैं जिसे उन्होंने अपनाया या अपनाया जा सकता है।

बैठक को समाप्त करने के पहले

- चर्चा के मुख्य बिंदुओं को भागीदारों द्वारा दुहरवाए और उपस्थित सभी लोगों से बार बार पूछें और सभी बिंदुओं को दुहरवाए।
- अगर कुछ महत्वपूर्ण छूट गया है तो सारांश में आप जोड़ें।
- आशा के सामने आने वाली कठिनाईयो को आशा के नाम के साथ नोट करें और आशा के साथ मिल कर समस्या के अनुसार समाधान करने का प्रयास करें।

एक पर्यवेक्षक के लिए संचार एक महत्वपूर्ण कौशल है।

प्रभावी बातचीत के लिए "सम्पर्क" एक तकनीक है जो, आशा फैसिलिटेटर को आशा के साथ बातचीत में मद्द करेगा। यह तकनीक आशा फैसिलिटेटर को आशा के सामने आने वाले मुद्दों को गहराई से समझने, मिलजुल कर समस्या का समाधान करने और समाधान को लागू करने में आशा को सहयोग एवं प्रोत्साहित करेगा ।

सम्पर्क

स **समस्या** जानें

म् **मिलजुलकर** समाधान ढूंढे

प **पूछें** – क्या हुआ, कैसे हुआ, किसने किया, कब आदि द्वारा स्थिति को पूरी तरह समझें

र् **राह बताए** – आशा को उसकी ताकत एवं सुधार के बिंदुओं को बताएं

क **करवाएं** – आशा को पिछली बातचीत में जो बताया था उससे करवाएं